

58

श्री सरस्वती देवी नमो

श्री सरस्वती देवी

1989

I

ASHA ARCHIVES

तिनक, विरुखात्रस, याक स, जत्रधूग, जानू, वाहा स, कं कं स, खत्रस, हक स, धनं स ॥ ॥
 स्वय ॥ नानाधनिकात्र ॥ ० ॥ नाग ॥ अग्निसात्र, जान, याधि, ककु, माद, ग्धक, खाग, स्याक, ना
 गधन ॥ दं १ अग्निसात्र ॥ दं ८ जान, याधि, मिषा, स्याक ॥ दं २ जान, मिषाय ॥ दं १० नदिरुया
 दं १५ वृषहय ॥ दं १८ जानन, पूयू ॥ दं २२ जान, व्याहय ॥ स, मुन, घात्र, र्वय, कुकिनाग, दं ३
 ३० वियाहय ॥ दं ३२ यर्वनगरुय, व्याहय ॥ दं ४० दव इखन, जान, गनियाग ॥ धनं रु
 यरुगसा ॥ दं ४० म्वायू ॥ दं २४ कार्हिक, शुक्र, धन, वृन, कण, बुधवात्र, नाजी, समु, क ॥ अका
 त्रमु, निवात्रन, स, यु, पूजा, निर्थग, जत्रज, क ॥ काम, विधान, व, त्या, वन, साकि, सली, क, ध

नन ॥ अकात्रमु, त्रिर्झक ॥ ० ॥ ० ॥ ॥ कर्हिक, न, क, ज, जान ॥ सामन, क, त्यान ॥
 अग्निसात्र, सिद्धि, बुधन, मृ, क, ह, रु, स्या, गिन, री, शुक्र, न, क, न, या, थान ॥ विंगति, मू, क, उ ॥ मह
 श्वन, दव, ना ॥ श्व, दव, ना ॥ अग्निसात्र, नि, र, गा, उ ॥ अग्निसात्र, वा, हान, ना, क, स, जान ॥ काग, स, वा
 ल, क, व, र्ण, उ, र, हान, पूर्व, हान, अग्निसात्र, क, उ, य, द, १, शुक्र, क, उ, य, द, २, म, ख, रा, नि, या, द, १, वृ, ख, ना
 नि, या, द, २, अर्थ, गु, ना, जान ॥ धया, ह, नि, द, यू, वृ, म्भ, क, म, श्व, क, द, यू, व, त्रे, श्व, र्ण, रा, गी, उ, म्भ, क
 वृ, धि, म, व, या, द, र्ण, मा, व, कि, व, पू, ज, मा, नि, म, गि, म्भ, व, मा, ख, म्भ, द, यू, का, य, क, ग, म्भ, द, यू, पु, सा, दि
 क, ज, रि, क, ग, उ, व, क, ख, स, यू, स, क्ख, वा, दि, रु, यू, प्री, य, व, व, न, ह्या, यू, रु, मि, मि, उ, द, यू, स, म, क, ना, क

नरकमात्रा

वर्गायू॥ सर्ववाशयू धवदं गणधनमायू मिथूनसंगशू काधि वंनमहिद इतिरु
यू कोठककथसुप्रीती नसाकवलुनं यनयायू वायसुनयशू गूतवन कनूना मन वनन
धिन प्रमंशु रावा ॥ ० ॥ नितकथान ॥ ग्रीव्य ललागं घागसू काससुनीना ग धनमिनेद
यू ॥ ० ॥ स्वययत्रिका अग्निज्ञाना वनदवता राजनयाधकं सुसुजाया सत्र किं सिखि
वाधकं दसाकर समनयं जायाधकं दवता साधनया दाधक धनं स्वय ॥ आहान ॥ सानि
राजन इइ धनि धन कलि ना दा धन आहान ॥ ० ॥ अकानमृक् ॥ दं १०
स्या कसिक दयू ॥ दं २ नाना याधि सा भं सनवायूरय ॥ दं १० मान स्या क वीनरय माहावा

धि घाग स्या क ॥ दं २० समुन घाग खडू घ्यालय ॥ दं ३० वीलन मर्म घाग क ॥ दं ४० मिवा
स्या क माध्व कनाय ॥ दं ५५ कास स्वास ॥ दं १३ रय ॥ दं ६० म्वायू ॥ उ प्राक ॥ दं १०० म्वायू
कार्त्तिक मास्य नाहिनीनक उ वृधवान मृक् दिन रवति ॥ दववर्म सफनाउ न मूर्ध्व ॥
धनं अकानमृक् त्रिआ क विद्धि ॥ हास कर्म यस्य गत दयकं वलिविय सा मुदान वि
या शुवर्ण कास र्धु सगस्यं यन दाग स्यं दं कास्यं विय धर्म अउ पूजा याय सा इइमा
रध धन इइ अकन वादान आहुति विय ॥ दाहुता जागता पूजा याय ससा काय धनन
अकानमृक् नाग ॥ कार्त्तिक या समाक ॥ ० ॥ ० ॥ नाहिनीनक उ जाग ॥ आदि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धनं न श्रुता न मृत्कृता स ॥ प्रमायुर्द० ॥ म्मायुव, धि सनाया ॥ पूर्व रुद्र न कृत्, अंग न
वान, धकृत् मृत्कृत् ॥ उपना कर्द० मृत्कृत् ॥ नाहिनी समाक ॥ ० ॥ ० ॥
मृग शिव न कृत् जात ॥ यं च ना न ॥ च ना वा हान ॥ दव जात ॥ नाग सख ॥ पीन ल कर्तव्य
य अर्दग मृत्कृत् ॥ मृगाय निःश्रुत ॥ मुद्र कृत् याद २ वृध कृत् याद २ वृष ना सि याद
२ मिथुन ना सि याद २ दव कर्म, अथ शुभा जात ॥ शिल सख राव रिद, धर्म वक्त, वनि जा ॥
धन धत्रिव, नाज पु साद कायू, वा रिद, लाक वद या धत्रिव, मिथाना बायीव, गंज वक्त ॥
गं हि न, स्व सयूव, अनिशयू, दव या क पूजा द्वायू, अमान खं द्वायू, चंचल वं न रुयू ॥

कृद अदि क दयू, नागी रुयूव, कात कि नययू, सत्रि न रि निव, म श्वि स न य रुयू, पू नू ख रु न सा,
मि सा सा राव, कूल द्वायू, मित्र का य स लय, धन सख राव ॥ मूव मा य मूद यूव, काय दयू
धन च लि उ ॥ आ हार ॥ जा, ध लि, धन क कि, इ इ, वा कू, ना दा, धन ययू ॥ मित्र क था न ग्री व न
ला क ज स, ज घा स, जल स, ना क न स, रु न स, धन मित्र क दयू ॥ ० ॥ धव दं ग न द्र व हा पी, अ
मृर्क कं न्या क ना ग ना रु ॥ कि मि, उ धि, ज्ञानं न आ न न्द, न य नि रु य गां रु व, अ का पू वृद्धि दयू
ख सयू, सा मु य, म कु य, न व सूल, न व स लि ल, धन च लि उ ग्ग रा वा ॥ ० ॥ अ य य नि का ॥
दू या व रु या ध कं, य र्वं न ग्ग या ध क, व न स, कि सि, ग ल, व ला, थू सा ना य ना दा ध कं ॥ न ग ग्ग

यनिका ॥ • ॥ नागविका ॥ दं ४ गंदमालजालमात्रस्याक ॥ दं ८ अति सात्रमृत्कर्म ॥ दं ११
 वृत्तारुय सा म स्यारुय स मृत्तारुय ॥ दं २८ गं रुय कनागनवगयायू अरिवात्ररुय ॥
 मृत्वायानिमिनीन मृत्कर्म ॥ दं ३० जालनयू मिवाग्यायू स रुय ॥ दं ४० मत्रवददार्थ
 हननयू स रुय ॥ दिखदघात्रदयू ॥ दं ४८ स मृत्तनप्रहाररुय ॥ धनं रुय रुतसा ॥ प्रमायू
 दं २१ स्वादावधिसनाया उगवाधनकृत् सामवानधकृत् मृत्तदीन ॥ • ॥ अकात्रमृत्कर्म उवा
 यः मर्तुलाग्निजं अगमयू जायाय यं अलकायार्थयाय ॥ गि सावासादान वल्यार्थेन सक
 दीनधन ॥ मृत्ततिननकृत् समाक ॥ • ॥ • ॥ अज्ञानकृत् जाग ॥ विवाहानमान

नृकजाग ॥ खानसत्त्व ॥ वृधनसिद्धि ॥ अत्यनमृत्कर्म ॥ यं व वलासि स मृत्तु ग्धदवता नृददव
 गा वलिष्टरगा ॥ पूर्वद्वान ॥ अगवर्ण धवा लकवर्ण वृधकृत् मिथूननासि अथपुनाजागा
 राजप्रसादिक बाहिद मिवातावायू गं रुवक स्वसयू गित्यक वृधिवक गमकात्रिरुयू ॥
 मवधयमरुव कृत् ग मवल्याममयाक असूययव स्वायययू क्रिथं लायययू अथि
 लववनः खर्वा अतासा मरुव लुवदक ववृमायू स वकदयू असूय थक रुयू
 धपूवृ विष्टराव वात्रसइस्वि लिथ्यु विरुयू धनं धराव ॥ अज्ञानसमर्तययू
 ॥ अज्ञाकर्म ॥ • ॥ निरथान गलयन स चयन स उना स जन स गुरु स प्रगमि

नकभान ॥ ० ॥ स्वप्नवीना ॥ वलिमासमानशया दिनि सशया सलिलकाठ नानाल
 कानधर्क ॥ दं १० मानाया ॥ मितपूयूरयदू ॥ दं २ सशया ॥ दं ११ सिमान स्वाहाने ॥ उधिया
 दिनकृतिरुव ॥ दं २० यमनाग मृकुरय ॥ दं २१ विनकायू रवानवायं रुव ॥ दं ३० जानगती
 यात नाना सा मुन मृकुर्य ॥ दं ४० यमनाग मृकुरय ॥ दं ४१ विनकायू रवानवायं रुव ॥ दं ३० जानगती
 मृकुरममानकयात ॥ वनं वन ऊप्रजागन पूजा कोमालिपूजा ऊग्रयाय वेयपूजा निवृ
 जायनामृकुरन पूजायाय यश्चलका विधिविविधिय धर्मनसाकी विधि ॥ प्रमायूदं २१ म्वाहा
 वयासपूजि सि पूर्ववत्सूनक ॥ आदिगवान ॥ मृकुरदिन ॥ आदानकुरसमायन ॥ ० ॥

नकभान ॥

॥ ० ॥ ॥ ४ ॥ पुनर्वसूनकुरजान ॥ दिगानर्पवदन मृकुर वृक्षादिदवता आदित्य
 दवता वलिष्ट ॥ गम ॥ यमनाग नदव जान ॥ साकुरिसख ॥ सामन सिद्धि गतिधनन
 मृकुर ॥ पूर्वदाल वृधक ॥ याद ३ वन्दुकुरयाद १ मिथुनगति याद ३ कर्क गति याद
 १ अथगुणा जान ॥ वानिऊकर्म यष्टिगुरयू निपूण कायकाय सामुसयित प्रसूर्यरा
 गीधनीव मालावर्द्धिदयू रुमिमीउदयू प्रसादिकरयू समलऊन उनि धर्म सत्रय गी
 नगुरावहिद दवपूजाकायू लागीरयू मिउगाठयू विकुनिमान्यन साकिरयू सामद
 वंयाकरुकिरयू म वि सत्रयरयू वानक सदाविद्र अतिइ विरयू काकायू कायमाजा
 अनियं गुरु

दयू. वृत्त रूप आय ह्ययू. पुद्गल सूखिरुयू. ना हातस. संवत्त क. यमर्. बा श्री वच्चन
 खादयू. संवत्त कदयू. आचक्रास्व ३ दयू. ॥ आ हात ॥ आ इधु धनिधन कलि. धना दा. साक
 हिंदन तुमन ॥ ० ॥ निरस्तान. यकस. तुगिस. यत्रस. गत्रयतस ॥ धनं ग निरदयू. ॥ ० ॥
 स्वप्रय तिका. दवगा. आचक्रधनया. दा. धनयूया. धनं स्वप्रदयू. ॥ दं १ काम. स्वास. यकनाग २
 ॥ दं ३ नागयू. निव. तुगिस. कृति निवरुन. यं गनाग. वेगय. ककु. दं ४ सिमान. स्वा हात नं न क
 नि निव. दं १८ घून. दूयू. रुयद ॥ दं २० समु. घावन. नमृ. क्खर्व. आगि सावन. रुय ॥ दं ३० जानः
 अगि सावन. मृ. क्खर्व ॥ दं ४२ गनि. यागन. नमृ. क्खर्व ॥ दं ४२ जान. अगि सावन. नमृ. क्खर्व ॥ धनं

लागयासाकि विधि ॥ दाहनाय च न काया ध्याय च कर्पं वा मृतदयकं त्रैलोक्यं निव द्यूजा वाय ॥
आगमयूजा कृणुया न यूजा व निवियक ॥ वाहान दयकं साकि र्थला ॥ धर्मे न साकि ॥ प्रमा
युव र्थ ॥ २८ ॥ यासनाया गनिश्चनवान कुरु मृत् ॥ युग र्थ सुसमाक ॥ ० ॥ ० ॥
चक्रन कृणुजा ॥ विगान ॥ विगमूद्रु ॥ दृष्टय गिदवना ॥ लूयम लाय निगम ॥ दिद रुद्र
न ॥ युर्ध्व कन सवाहान दं वजा ॥ द्वाग सख ॥ गनिश्चन न सिद्धि ॥ दृष्टय गिन मृत् ॥ युर्व
धान ॥ पीनवर्ण अथ रुद्र ॥ वन्दु रुद्र ॥ कर्कट ला सि ॥ अर्थ गुणा जाग ॥ नाज कर्म तव इवि
शयू ॥ वान सइ विद निद्र विथ गु वि शयू ॥ अजव धर्म वन ॥ दवग क रुद्र यायू अ

ॐ नमः शिवाय ॥

कनसवितनयवस्वसयू. द्यामीरुयू. लूययायसि रुयू. । काधिरुयू. आकायू. सनियवः
वचननायव. कुं सवानं थायू. अतिरि. स्वायू. अमानि. स्ववा. रुतिर्गार्व रुयू. अस लोका
यू॥ वाक्का सहुतिरोगीरुयू॥ मन्वास्वकायसमूतिनय॥ मन्वास्व ३दयू. कायमावा दयूः
मन्वा म्नायानिमितिन कनत्रस रुयू. व. ~~विश्वयं स नमः शिवाय~~ ॥ मितारुन सनमिजन स्वका
वरुयू. श्रुतावधन ॥ ० ॥ म्नारुन ॥ यानू. स्वायू. पादु ३३. धलि. धनमाधि. नयवि
रुयू. सगाव रुयू॥ ० ॥ निरथन ॥ रवावस. गनवातेस. जस. कुं कुं स. रुलस॥ धनं सति
वदः सप्रविना. वषायेन अग्नि कर्म. धनं म्नाधनं. धनं म्नाधनं ॥ अकारमृ. ॥

दं २२ मितारुन ॥ दं १० नाता काधि. यननाग सूर्य रुयू॥ दं २० घात्र रुयू. मव याति निर्याक
रुयू. रुयू॥ दं २४ मारुजात्र दार्घ्य ॥ दं २८ तिर्थवत मृ. रुयू. अकारमृ. धनी ॥ सानि वि
दि ॥ कामकायक. आदान आरुतिविय ॥ दव युजा दानविय ॥ कर्मयाय. लं खन. वैश्व
जायाय. गिव युजा याय वलन. यव वनित्र आदा वदानविय ॥ धनं सति ॥ प्रमायुव व
गाम्नाकाव. पासनागक. पूर्वोका ध. लकृ ॥ दृष्टय गिवान मृ. दीन रुवति ॥ स कनक
गसमाय ॥ ० ॥ ० ॥ अयानक उजाग ॥ यं वद ग मृ. रुयू ॥ सयाय निर्या
॥ नागदं वना ॥ काखवा लन ॥ ना क सजाग ॥ मायात्र सगा ॥ दृष्टय गिन सिद्धि ॥ पूर्वोका

नायनिः ॥ मं सवाहा नाक सजाति ॥ मूषिण खः ॥ धनवर्ध ॥ निवर्ध ॥ मूषवाहा मवर्ध
 म्ना कर्म दकिने दानः आदित्यक ॥ सिंहनागि ॥ मूषवाहा ॥ नाजय सादिक ॥ न ऊ
 वक रुमिदयू गूल विलरुयू वनवक सननायव नायुधराव ॥ रागीरुयू म्ना वमा धववसा
 गवनिव ॥ छिनात्ररुयू रुमिगावः कायमंदा ॥ दयू ॥ वानस इमिरुयू त्रिथी पुस्विरुयू ॥ १२
 रागा मं ४ दयू ॥ संग्राम सनय विषका धिमा ना पीना मान्य ॥ केरु क कथा सयू नरुतः थमस
 रागीरुयू ॥ कमा धनिव ॥ मिगना ववपन थीनरुयू खरिद नखसमकाल अकनगनयः क
 लंहाव ॥ ० ॥ अलात्र नाका विपात्रु यायू यादू ययीव ॥ ० ॥ निवधन ॥ खानग गनय

गगः नाहाग सुगिस् धनगित धन ॥ ० ॥ खय ॥ गत्रिकाग लखग गलिल मनि मूनि मूनि
 म्ना धन खय दयू ॥ ० ॥ धावपीनगगीन ॥ गंदमात्र वेग र्थमात्र साक जात्र कामत्र प्र
 दगग वागयात्र मूयू ॥ अकात्र मूयू ॥ दं १ कृकिताग दं २ वेग र्थगन्दगाग ॥ दं ३ नानायाधिः
 यकनागः प्रमाद ॥ दं २ खत्र साक ॥ दं १ ॥ निथ प्रमाद ॥ दं २० सयन दं गन विव ॥ दं २२ संग्राम
 रुय दयू गील गूल जीव र्थ सय ॥ दं ३० संग्राम रुय अकात्र मूयू ॥ गकि निवयू जा मूनि प्र
 जा दान विय वत्यावण सर्वनाग प्रमनि ॥ ० ॥ प्रमायू दं १० मत्र माया ॥ माघ दयू ॥ गनिध
 लवान मूयू दिन रुव नि ॥ ग्निमघान कृत्तमाय ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ पूर्वरात्रुनि

नरकशमागा॥

नचार्थयावक॥ गिव पूजा त्वत्प्राज्ञेन पूजायायः कृणुयाव वलिदशात्॥ दं० आयु॥ दं० ८१ स्वादा
व अत्र नायाइ सागिन कउ॥ अदित्यवान॥ सूर्योदयवेना सृष्ट्यै रुवनि॥ पूर्व हार्थु निन
कउ समाक॥ ० ॥ ० ॥ उउ हाउ निन कउ जात॥ दिनात्र जमद वना॥ कउ अ
धिदशागा॥ यंच व त्वा लि स मूद्रण॥ यउ स स्तान शुक्र देवता॥ कोनिक गउ॥ लिना वा हान
मनू कजाः ॥ अग त्व॥ द किन दान अदित्य कउ॥ योद कि १ वृध कउ याद ३॥ सिंहा निया
द १ कं न्या ना निया द स्त्र ३ राज कर्मा॥ अथ युग जात॥ धया अने क ह नि द॥ न ज व क॥
समस्तु वशी निरयू धन व नू व नि जा न शयू व लि अक न स न य नायू व ध न कृ ग न काम

18

ना सत्यमान्य रुयूव॥ लूथ र्ण था क॥ रा अर्ध ३ म्ना म रुवः पू लू व रुता स नां म्नी श्व राव
क ह व न त्या गि त्रि व न क व नि न रु न सू खि द व वा म्ना न अ गि थ ये नू या क रु की रु यू॥
मा म व वू या क रु कि रु यू खं ज्ञाय स ह न द्या यू॥ ध न श्व राव॥ आ हा ल॥ ना का ध वि
य यू व॥ नि व र्थ न॥ क या न स॥ ग न य त रु क स या त्रि स प्र न नि व रु व नि॥ ० ॥ स्व प्र॥
अ त्रि द्वा ना या स रि ति स ज न कि दा॥ रु स पू व र्थ नाना व रु॥ ध न म्ना नि व॥ ० ॥ धा उ
वा द क नं ग ना ग जा न का म न का स स्ता स मि र्वा स्या यू व का स्या यू अ ति सा न ध न ना ग॥
अ का न मू द १ ना ना या धि श्व क ना ग क रु ग्र ह नि न पी दा या यू॥ दं० सा न वा यू॥ दं०

॥ नमो भगवते ॥

[illegible]

निगाते मूकः ॥ गतिदिदववता ॥ रुमदवता ॥ कागिव ॥ कि सिवा हानदवजाग ॥
महीवगताः दकिन दान ॥ तर्कवर्ण ॥ अथकृष्णवर्ण ॥ वृधकृष्ण ॥ कन्यानागि ॥ वानि
धर्कर्म ॥ अर्थगुणाजात ॥ गजवक्रः नानाप्रसादिकः समस्तनाकवर्णाव ॥ प्रवाहान
दयीव ॥ मिथूनसम्पदशयू ॥ विस्वासिकशयू ॥ शूत्रशयूः वावकसदात्रिदः निश्चय
विशयू ॥ राजसवायायूः तनूनिवनसधननायू ॥ किनात्रशयू ॥ तमकानिशयू ॥ राक
मान्ययायू ॥ गवयाज्ञानलूमदक ॥ विद्यागयिवः धर्मसत्रय ॥ त्यागीशयूः तानामश्लिष्ट
मनायिव ॥ तीव्रवचनः यज्ञेनस्वास्त्यायूः जीवनशयूः सुयवर्णदयूः मित्रावायय

नरकमात्रा॥

वस्त्ररावाःसूपुत्रकायदय॥ ० ॥ खरावविका॥प्रगिरान॥विद्यागयूःकुप्रात्रूनसाक
खानरुकावकुयत्रस॥गीगवादनयः॥ग्रादायूवग॥यावकार्यतकावः॥द्वनहावः॥
गनिः॥अविघ्नः॥समस्तकार्यनिर्दिधनं॥ग्राव॥ ० ॥ आरुत॥समस्तउधीययूव॥ ० ॥
तिनकथान॥कयात्रस॥वाहास॥गुरुस॥थायातस॥कुं॥गुगुगिस॥यानिस॥प्रगतिनर
वमि॥ ० ॥ अग्रः॥अनिज्ञाना॥सर्ववसायन॥दितिषुस॥प्रवर्तन॥गन॥किसि॥धसाः॥ना 16
नार्त्तकात्र॥प्रग॥अग्र॥ ० ॥ अग्रुवाग॥वीतनाग॥वास्यायूः॥अर्जिन॥अनिसान॥जान॥क
कु॥धन॥राग॥अकानमृ॥कदिन॥मास॥वय॥अर्जिर्न॥सर्घरय॥दुयारय॥द॥जन

स्वानमनिव॥यन॥राग॥द॥॥सर्घरय॥द॥॥२॥जान॥अनिसान॥र्यन॥राग॥द॥॥३॥सान॥वायू॥थवास
सुरय॥द॥॥३॥गमस॥ससुरयः॥द॥॥४॥वोनन॥वर्नघागक॥द॥॥४॥झवा॥यानिमिहिनससु
रयः॥नाजरयः॥प्रद॥गमन॥मात्रिव॥द॥॥५॥नाना॥वाधिः॥ससुरयः॥नाजरय॥द॥॥६॥मायू॥
द॥॥७॥नजिवमि॥धन॥प्रकावः॥मृ॥कसू॥मात्रकः॥अग्निः॥हाम॥जन॥जग्यः॥नकायार्थ॥दवदातू
सिन॥हाम॥यायः॥धन॥कसि॥र्यन॥वृ॥हिस॥दिन॥क॥गयात्र॥वत्रिविय॥प्रग॥साकि॥वय॥१२॥अ
यू॥वे॥उ॥रु॥झ॥द॥गमि॥॥अंगन॥वानमृ॥कुरुवमि॥॥प्रग॥रु॥कान॥क॥गसू॥माक॥ ० ॥ ० ॥
विकान॥क॥गजाग॥॥प्रक॥गान॥॥पंच॥गान॥प्र॥अ॥द॥गमू॥कुरु॥॥तिन॥स॥धन॥॥ससु॥द॥वना॥॥अधि

दंवगा॥ वृद्धदवगा॥ विजयनिरगा॥ मयूत्रवाहान॥ नाकसजाग॥ बाघसख॥ दक्षिण
 दात्र॥ विश्ववर्ध॥ वृद्धकुरुयद॥ शुक्रकुरुयाद॥ कन्यानागिपाद॥ दुर्लभागिपाद॥
 दवकर्म॥ अर्थगुणाजाग॥ नर्कवर्ध॥ अर्थवाहकवर्ध॥ रगनजत्र॥ नखगसनययू॥ वानि
 जकर्म॥ दंगगससुरुमनययू॥ प्रदंगग॥ सुषिरयू॥ यूतूवहनसनी॥ मुनिगवा॥ का १०
 नरुयि॥ न्याययू॥ तमअदिक॥ मवगुयमहात्र॥ आखनसनय॥ अहिमानचायू॥ नाक
 यनियानयायू॥ गिलगवा॥ लिह॥ व्याविशयू॥ वाहानसकयनयू॥ चंचनवंग॥ विवकि
 नयू॥ वृणमहात्र॥ आकनयनय॥ राआयानिमितिनइवयू॥ काययू॥ मानाधिक॥

वचनधिल॥ नाकसवायायू॥ अयनसनायायू॥ प्रीय॥ प्रगगवा॥ ० ॥ आहानसमस्त
 यव॥ मवया॥ रगगुधा॥ नाकाययू॥ ० ॥ गिनकथन॥ ग्रीयग॥ अजनस॥ उल्ल॥ वृयनस॥ शुक्र
 स॥ प्रगविद्वरुवनि॥ ० ॥ अयनः॥ पंक्ति॥ य॥ उल्ल॥ य॥ दात्र॥ य॥ नानाल्ल॥ नानादय॥ ध
 नवसुखकाधकं॥ ० ॥ अशुवागपीगनाग॥ शुल्म॥ रातिद॥ अगिसानजात्र॥ आगस्या
 क॥ निवास्याक॥ धन॥ अकानमृ॥ द॥ १॥ खानसनिव॥ कृकिताग॥ नंगनाग॥ द॥ १२॥ सयूरय
 अगिसान॥ जिवसंसय॥ द॥ १०॥ गिमा॥ अदिन॥ अयनकृतिनिवरुयः॥ सामंसयूरयः॥ द॥ ३२॥ जा
 न॥ संशमगरुय॥ द॥ ४०॥ वृयारुय॥ ससुयारुय॥ द॥ २०॥ थान॥ उल्ल॥ जात्रदाघ॥ दिनमासदंमृ

नरुपमाना॥

॥ द० २२ ॥ मृत्कृत्मानयाग ॥ स्नानमात्रादयर्क माहादं व पूजायाय स्युः पूजायाय ॥ हा
मयायक जनक कृत्तक वेधाय ॥ दानविय यिवन कात्र सव लि विय ॥ धृतिन अकानमृ
कृत्तास ॥ प्रमायुर्दं ॥ दीन समकृत् ॥ धर्म काकाव वेधाय युक्त ॥ अष्टमि ॥ अष्टमि
कृत् ॥ अदित्यवानधकृत् ॥ वाचासमृत्कृत्त्वति ॥ ० ॥ ॥ निविजान कृत्समाफ ॥ ॥ १८
॥ ० ॥ ० ॥ ॥ स्वातिन कृत्जाग ॥ प्रकृतात्र ॥ यवदशमृत्कृत् ॥ सूर्यसंस्तुत ॥ वा
युदवगा जमाधिदवगा कात्यायनि ॥ गण ॥ इतिवाहन दवजाग ॥ महिष संस्तुत ॥ दक्षिण
दानः युक्त कृत् ॥ उल्लानागि ॥ दवकर्म ॥ अर्थशुभाजाग ॥ यिवन वरु अर्थवाल कवर्क

समस्तं निदय ॥ समस्तनाकवंप्रीति ॥ प्रसादिक हृत्कृत् वचनपित्रः ढकावमृत्कृत् ॥ व
नवर्क ॥ उधिलवायुः यवदमहिदः अकनस पीयः विद्यासयुः यातिक सयुः ॥ कृत्तनक
र्मयायुवः वनिजाग कृत्तवः नाजस्यवकः कायका मृत्कृत् ॥ दयुः लक्ष्म्यानिमिर्हि सइख
स्ययुव कितानरुयुः धनवकृत्तयुः वनधित्ररुका मरुत् ॥ विराय रतिधनमायुः थक
रुयुः पूतुवरुनासमी ॥ सुधिरुवरुयुः मिश्रनामगावः अयुक्तयुः कृत्तहिनीवः मवग्नेयम
रुवः मवयावचनमदं दः वंगलाग यायवमः खिसनययुः कात्रिरुयुः धनधरावः
॥ ० ॥ ॥ अरुन जाधनिः धनधरायुः पादुवा कृत्तमनयिर्हियायुः ॥ ० ॥ ॥ तिरथा

नैऋतमाग॥

न॥ ० ॥ ग्रीष्मसूत्रं कुरुगुरुदं नैऋतं कतिप्रवणं धनं मित्रविक्रमवति॥ ० ॥ सप्त
विन्ता॥ वायुः रमति यं किं सुवर्णं तूयामनिमृति॥ आकासस्य विमानसदृशं ध्वजं यवतग
श्याधकं क्रानिव॥ ० ॥ धातुवागमाग॥ अग्निसारकासत्रमादस्याकनानायाधिरव्या
गस्याक॥ जातदाद्यधनं मागः अकारमृत्॥ दाह्यं दाता ददादघातस्य ककासस्त्रास॥
वेणुवमासः स्वर्गवधः कथुनागनेत्राग॥ दू१० मास१० दं१० मूयारुय॥ दू२८ दं२८ स
अमरुय॥ गो१० नैऋतारुय॥ दू४८ दं४८ मूयारुय॥ दं८० सक्तु रुय मूयारुय॥ दं८० सप्तम
गङ्गातरुय॥ धनं अकारमृत् यथा उपायः यथा यथा न वै ययुजो॥ इति मानानः निव

पूजाः श्रमसानसुवल्याच्चनससादानविय॥ धनं न॥ दं१० मूयारुय॥ दं८० मूयारुय॥ अर्थवा॥ दं
२१ मूयारुय॥ वेणुवधः॥ नवमिश्रं गत्रवात्र॥ श्वपदलसमृपयारुवति॥ ० ॥ अग्नि
स्वागिनरुगसमाफ॥ ० ॥ ० ॥ विष्णोः नरुगजात॥ द्विगत्र सर्ववत्वाल्लिमूद्र
० ॥ अग्निदेवगावालूनादिदेवगाहेवादानराकसजात॥ व्याघ्रसुख॥ दकिनदालः
सुकु कुरुयाद ३ श्रुंगल कुरुयाद १ कुललागी याद ३ विष्णुलागी याद १ वदालकामः अर्थ
सुगाजा॥ पीतवर्णः अर्थवालर्कवर्णः हृतीदयुव वलवन्तु रागी रुयुः अग्निकुण्डयु॥ वा
लसुद्रालिङ्गः तलूनि वल्लगलागी नानायाधिना नाइखस्ययुव हृष्टादयु नानालसस

नरक माग ॥

गधरुयू॥ अतं गवधूदयू किनालरुयूव॥ असयिव॥ यगुलागीरुयूः धनधनिवः शुष्मा
लिरुयूव॥ ककवचनदयूव॥ मामवववलायययू॥ गानायायनकयीव॥ मान्यकायू॥ अर्ग
गाविरुयू॥ अकूयायू॥ कयीरुयूः मखीनययू॥ ० ॥ धनं श्रुवा॥ अलाल॥ ना
का॥ इइ॥ यादू॥ धनं स॥ ० ॥ निलकथन॥ कयालस॥ घातसजस॥ पुत्रिग॥ उरू॥ ऊध॥ गुहग॥ २०
पालिग॥ धनं गनिलइ॥ धनं वयायल्लयन॥ अतं रुयाथ॥ नानालल॥ वरू॥ यवगन्ययाथ
अनीवः धरुवागवीनगाग॥ धनं स॥ यकनागजालदा॥ अल॥ याइगाग॥ धनं॥ अकानमृक॥ दं
१॥ कागलासा॥ दं२॥ यकना॥ दं३॥ जात्रयंगनाग॥ दं४॥ माहायाधि॥ दं५॥ नदियारुयू॥ दं६॥

चया॥ पुवासरुया॥ दं७॥ जात्रदाघ॥ यकनाग॥ दं८॥ जालकुकिनाग॥ दं९॥ म्वायू॥ ध
वा॥ अथवा॥ २१॥ अकानमृकसाकि॥ कामकायक॥ उइ॥ वलजि॥ वलगतनि॥ दवदनि
रुमृ॥ हल॥ पुवाक॥ यं२॥ विहिसरुिनन॥ दात्रदि॥ अकूगविय॥ तिथल्लयन॥ अगकूगा
धयं३॥ वेथपूजायाय॥ माहादव॥ पूजालकायाथ॥ यिवकात्रस॥ वलिदानविय॥ धन
नअकालमृक॥ निवालनमलनदि॥ दववष॥ यथादगवयानि॥ यकूगा॥ कनामवनी॥ जिहू
नमृक॥ रुयू॥ वेगमवकू॥ यकि॥ गतरि॥ यानक॥ मृक॥ रुवति॥ ॥ नि॥ विसा॥ यानक॥ रुस
माक॥ ० ॥ ० ॥ ॥ अतू॥ गधनकू॥ जात्र॥ यं२॥ गात्र॥ जीगमृक॥ पूजयनिर्स्थ

नमो भगवते

नमो भगवते ॥ वेगवर्धनं दिशवता ॥ अर्लवाय निरुगता ॥ उदंदाय निरुगता ॥ हंगवा हाप
दं वजाग ॥ मृगगल ॥ वीगवर्धनं अर्थवा कृष्णवर्धनं यक्षिमहाल ॥ अंगलकय ॥ विदुताभिः
कृषिकर्म ॥ अर्थशुभा जात ॥ यं धिगः प्रकावक धर्मलय ॥ नीलकः अकनसलय ॥ विद
नीरुय ॥ गमसुता कर्व प्रीतिरुयव ॥ वाकासु विरुयु स्वलाय सङ्कलंदावः मासलवः २
निमिर्लिनइव गिय ॥ अयूरुय धनमायु गतिरुज्जनदयुः भवध्वयमरुब स्ववा रुय ॥
कालिरुयुः मानाधिक रुयु छिनाल रुयु चंचलवर्ग ॥ मायावृद्धिरुयुः गमकालिरुयु गवमि
रुयु उध्वं २ लागी रुयु राधाध्वं ४ कायुः नमरुय रुवः कायमावा दयुवः कोठरुलन ॥

कथासयुः गीतवादनय ॥ जनकनृनावाव ॥ गमनगालगिवः लणलंगन प्रीति ॥ सखवा
दिजसवा दिवलवक प्रीयवा दिगनवसां नायक प्रगधराव ॥ ० ॥ अलेता दा माध्व ॥
० ॥ द्वालाजन ॥ धनं अलाल ॥ ० ॥ नीलविक्रधन ॥ ननाग रुसुवा दानेध सं पृष्ट याद
ग ॥ धनं गिल ॥ ० ॥ ध्वन ॥ गीतवादनय कि नाना अर्लकालधन ॥ ० ॥ धनुविना ॥
प्रीरुत्रा गद्याग स्याक ॥ नृणाद स्याक ॥ माद स्याक ॥ आलनवकि न शूलमिया स्याक ॥ धनं ॥
अकालमुरु ॥ दं ३ खालमनिव कुरु ॥ दं ४ वेगद्य द्यगलाग ॥ दं ५ कुरुलाग ॥ दं ६ आलगा
हायु द्याग स्याक ॥ दं १२ आल अगिनाल सिमानक न नरुव अक सारुय ॥ दं ३० यिवका

नरुमागो॥

लया॥ दवयारुय॥ दं ३४ सरुय प्रसयारुयः दं ४० शकनाग॥ दं ४८ मालग्नकः यवानव
वयारुय॥ दं २२ वीलरुयः यालिसाकः धनं अकालमृक साकि॥ विधि॥ शिवयूजा दवदालुः
संकथः दृढिसर्कनः अग्निशुद्धया ॥ नाना विधाः लखदमिसवलि विद्य॥ धनं न मृकनाग॥
॥ ० ॥ दं ६० दं ६० प्रमायुदं ६२ अष्टद्वय॥ अष्टमि॥ पूर्वराशुनीनकुर॥ वृधवालकुरुवा २२
वाग मृकएवति॥ ॐ निशुनूलाधानकुरसमाक॥ ० ॥ ० ॥ अष्टनकुरजागा
ॐ द्रादिदवगा॥ सूय दवगा॥ पंचगात्र॥ अलंकानसंस्तुत॥ त्रेणयनिगुगु॥ काय
लेवाहनः नाकसजात॥ मृगसंख॥ पद्धिमदानः अंगलकुर॥ विद्वनागि॥ दवकर्म॥ अर्थ

नाकसजात॥ स्नानसंख॥ पद्धिमदानः दृढस्यनिकुर॥ धनूलागि॥ दृषीकर्म॥ अर्थशु
गाजात॥ मालावृधिः आमलसनयः काठरुलः धनपूतुयः श्रीश्वराव॥ मालामाया॥
व्यागी॥ इतिवः नतिप्रीयरुयूः किनात्ररुयूः धनधनिव॥ ननुनवलसः धनसालासिरु
यूः म्नाः नायूनायूव॥ धनं श्वराव॥ ० ॥ अलान॥ साकम्पुडरुयूः धनयू॥ ॥
नितस्तान॥ वाकू नूगनसः घातसजुधुगः स्नानसजुंघाः खल॥ ० ॥ स्वप्न॥ उदेकः स
मस्त्रानादि॥ हितिः अग्निधायः द्रव्यराणी नानालनेमनिमृतिः धनं श्वराव॥ ० ॥ धनुषीग
शागः जालः घातस्याकः अजिघ्रः नरुमागः ककुः मानस्याकः कासः सासः कामनः अस्तुदक॥

धन॥ अकारमृ॥ वर्ष॥ जालखालमद॥ दं॥ १० सावायी॥ जाल॥ दं॥ २२ जालदार्घ्य॥ सि
मान॥ खालननकुनिनिवरय॥ दं॥ ३० जालअकनाग॥ दं॥ ३२ किनायजालसमुघागक॥
जंगन॥ दं॥ ३४ गलुघागककुकिनागखालस॥ कास॥ दं॥ ४० जालनसमुघागककुकिनाग
याधि॥ धन॥ अकारमृ॥ उपाय॥ उपायगुगन्धयुधयुयदिय॥ इवोमानान॥ गिवयुजा २४
याय॥ नरकवेखथय॥ वलगतसि॥ दवदालसि॥ इदि॥ इवोरुला॥ रुगासकर्मगन्धः
धूय॥ वीर्यगु॥ नादा॥ नृधिस॥ कर्णयगाक॥ र्वचयगाक॥ खानमानादयक॥ वलिदद्या॥ धन
न॥ वर्ष॥ ११ म्वायू॥ वर्ष॥ २२ अष्टमास्य॥ मूलनक॥ इरुस्यनिवालन॥ लंघन॥ अथवा॥ नि

धनमनसमृ॥ रुवति॥ ॥ नृतिमूलनक॥ समाक॥ ० ॥ ० ॥ ॥ पूर्वोवाध
नक॥ जग॥ चउताग॥ सकलगलान॥ आयदवगाः॥ रुनुमकदवगा॥ वात्राति
वादानः॥ मनुकजाग॥ मर्क॥ सख॥ कृ॥ विर॥ गः॥ यकिमदानः॥ इरुस्यनिक॥
धनूराणि॥ व्रमृ॥ कर्मः॥ अर्थगुणाजागः॥ व्यामवर्णः॥ अर्थवा॥ गगवर्णः॥ धत्तवर्णः॥ धन
वधिकरुयू॥ विदु॥ निध॥ मानन॥ लूद॥ निवः॥ गन॥ वन॥ रुयूः॥ गम॥ रुनाक॥ वधी॥ नि॥ यायूः॥
धन॥ मथ॥ क॥ ना॥ ज॥ से॥ वकः॥ सं॥ ग्र॥ म॥ ग॥ ना॥ रु॥ द॥ यी॥ वः॥ वा॥ न॥ स॥ दा॥ नि॥ द्रः॥ नि॥ थ॥ शु॥ वि॥ रु॥ यू॥ ॥
धन॥ मान॥ ल॥ क॥ क॥ यूः॥ न॥ रु॥ न॥ रु॥ यूः॥ या॥ सा॥ य॥ नि॥ ग॥ व॥ ला॥ य॥ य॥ य॥ व॥ ॥ रा॥ सा॥ दा॥ म॥ २॥ स॥ प्र॥ म॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रुवः कायमचादयूः अथिलवचनः धिक् दर्मवृद्धः का विप्रीयः मामः ववूवः वादिन
चायययूः यथा नायिः सानयियदावः अतिथिः पुनूरुकिः गग्यलागी वरुकरुलागी
धुनिध्वरुवे ॥ आहानः नादाचाकः साकः रिदनयलुमने ॥ ० ॥ निवधान ॥ अणसः वा
लनकंस ॥ नूत्नलसः अङ्कः गगलिसः धनगिन ॥ ० ॥ स्वप्न ॥ वायुवपयूवधुं ॥
यगुजागिः दयः धनः यव ॥ धनित ॥ ० ॥ धाहवानकरुः नागव्याधिः स्वयातग्य २९
कः आर्षतकः कासः सागः अजिपुः सानसाकः धनः नाग ॥ अकानमृः ॥ वषट्क
किनागः वषयाहय ॥ दं ८ घागः अकः बुद्धिः ॥ दं १२ वनाघातः रयः निमानकृतिनिवलयः

दं २० सानवाः संग्रामः रय ॥ दं ३२ आनः गनिपात ॥ दं ४० जात्रः अतिसात्र ॥ दं ५० वयारयः
दं ६८ वूनवयः रुवः वयारय ॥ धनः अत्रमृः साकिः यात ॥ उइवनः सिपातः विविदवदा
नूतिः गमिधमासः येरुकात ॥ लकः वेयः थयः साकिः स्वस्ति कनवल्यावनयाय ॥
धवः विग्रमयाद्यानः सगाथ ॥ धनः न ॥ दं ८१ दं ८८ दं ९८ धनः नदवववः कगवाचाक
धाय ॥ नवनाजीनमृः रुवति ॥ कृनकृतिदावः नामहिदावः नवावन्धनः वीवनमूर्ध
नः मृः दिनः आवाटः शुक्र ॥ पूर्वावाधनः कृण ॥ शुक्रवात ॥ वाचासमृः रुवति ॥
॥ ० ॥ ॥ ० ॥ उजावाटनः कृणजात ॥ यं वनात्रिगमृः रुवः नाजयदः सलाना ॥

वनि छुःगभ॥ विष्णु दव ना तूडा दिवना ॥ वाचा निवा हान मनूक जाग ॥ रग ग ह ॥ प
 विम दान ॥ हृद स्थ नि कृपा द ॥ ग नि श्व न कृपा द ॥ ध नू ना गि या द ॥ म कृ ना गि या द
 ३ ना क स क म्मे अर्थ गु ना जा ग ॥ ल क्क व र्ण ना क प्री ति या य ॥ स्व ग य ॥ गु नि क रू य ॥ ग्वा
 न द य ॥ प्र द ग ग गु ष ना य ॥ ध र्म वि ना म रवी स न य रू य ॥ म ष ष स वा दि न न्वा य ॥ ना २०
 ल क ग दा नि ड वा ष रिं ण ॥ ३ र्ण र्था का य म वा प्र क ॥ स्व र गी भू व ह नि ॥ स्व र व वि
 ना को ड ह न न ॥ ध म्म गिल ॥ ह न र्वा न दान स न ॥ प्र व र्ण व न ॥ कू न व न ॥ स म स य नि
 का न न ॥ प्री ति रू य ॥ अ रि मो नि च्चा क र न्ध मा य प्री ति क ल म दा व नि जा न य गु जा

मि न रा गी प्र न श रा व ॥ ० ॥ अ रा न सर्व रु क नि रू य व ॥ ० ॥ गिल क थान ज स वा
 हान थ स रू क ॥ ग व म्म ॥ कृ ण ख ल स या नि स ध न गिल ॥ ० ॥ ज ल क्रि दा व रु
 ग्वा ॥ ध र्म य नि का ध न ॥ ० ॥ धा उ वा ठ क रु ॥ वे न थ मि या स्या क ॥ अ नि सा न ॥ ध या
 न स्या क ॥ ध न ना ग ॥ अ का न मृ क् ॥ द ॥ र्वा न म र्ग ॥ द ॥ ८ ध न स्या क ॥ द ॥ २ जा न न यू य
 द ॥ १५ ग ल या न स्या क ॥ द ॥ ८ रु ना न स ॥ ना म जा ग ॥ द ॥ १० सा न वा य ॥ द ॥ २० सि मा न ॥ स्वा
 हान न कू मि नि व ॥ द ॥ २० कू मि नि व रु य ॥ द ॥ ३० यू या रु य ॥ स्व या रु य ॥ द ॥ ४० स म्म म रु य
 घा ल रू य ॥ वा धि ना ग ॥ ध न अ का न मृ क् ॥ मू मा न क या न ॥ गि व पु जा ॥ वे ल पु जा या

यः ह्यमङ्गाय कं सान्नि कर्म वल्यावन संक्षान कर्म धनं न सन्नि ॥ ० ॥ प्रमायू ॥
वयं २१ म्बा का वक्रं २२ ॥ वक्रि युवकं प्रन कुरु मृगानवाव ॥ वाक्त्रि सप्त ॥ यं वा
सदवय मूवं १५ नवना नमूवं १६ वयान दव लया ह मित्र कुति दाव मृत् ॥ कं
न्या दान २३ दम को या कुरु व सान न दान या य ॥ अम स साय रुय क या ग ल को म दा
न विय ॥ उजा वा ट न कुरु समा क ॥ ० ॥ ० ॥ ॥ श्रवण न कुरु जा ग ॥ विमान स्व कुरु
सक्तान आदिग २४ ॥ विग निमू २५ ॥ विष्णु दव ना कारिका दिद व ना न न वा हान द
व जा ग ॥ मा क रण २६ ॥ य छि स दान ग निष्प न कुरु ॥ म क्र ना मि ॥ व दान कर्म २७ ॥ अर्थ छुपा

जातध्याञ्जनं गङ्गादिदयुःस्थसन्तर्ध्ना ॥ अथवाऽध्वनं वर्ध्ना ॥ कत्रिप्रीयमिवावावायूनाजप्र
सादिकशयूवाहिनिरिववनवकधनवर्कधमाजागङ्गावाढवलसद्रात्रिद्र ॥ शनास
नावाकासधननायू ॥ प्रदगणसूषिरशयू ॥ लाजस्यवकवनजसनारुदयूमिउदयू ॥
राक्षास्वप्नं ३ कायीवनाकयाककलूनाधनिवमनेदनययूदवधमसलय ॥ शव ॥ म
रुगरशयूमविगनयद्रुदश्रुदिकदयूकुंगशकाकाधिरशयूकाउरुन ॥ धगध्वराव ॥ ॥
श्रुहाल ॥ समस्तययूमस्त्यमान्सायूयनधनययूव ॥ ० ॥ तिलथन ॥ ग्रीवउ
दलमण्डपृष्टकर्णयोष्वर्जधधगधनतिलरुवति ॥ ० ॥ स्वप्न ॥ अग्निजातातदि

प्रनातिः धनं धनं ॥ धातुवाग, पीतनाग, द्रुवउस्याक ॥ गलपुनस्याक ॥ मिषा स्याक, क
 गस्याक, आन, क्रिथमिद्धि निव, धननाग ॥ अकानमृच्छ ॥ वष ४ वे सद्यनाग, अगि सा
 न ॥ दं १२ द्याग स्याक, अगि सा न ॥ दं २० व्यारय ॥ सीयानिमिहि नद्व, दं २२ मि सा
 याक नरयः सानवायूरय ॥ उगतिवय जालकूषिनाग ॥ दं ३० खनवायूरय ॥ २७
 सानवायूरय ॥ दं ४४ नदिग प्रवागन, वा न, मृच्छ ॥ दं ६० जाल, अगि सा न, कूषिनाग ॥
 धनरु न सा ॥ वष ८० म्वायू ॥ अर्थवा न व १०० म्वाकावज कूमास्य ॥ उज्याट न कू ॥ ग
 निघलवास ॥ धकू मृच्छरवनि ॥ प्रवणन कू स मापन ॥ ० ॥ ० ॥ ॥

धनं धनं नुकुं जात ॥ सयनाग ॥ प्रिगमि सुकू ॥ विबुदवगा ॥ पुकापति ॥ गज, स्वक
 सगा ॥ अवा रान, नाक स कात ॥ सिंरु सख ॥ गनिघल कू ॥ मं कू ना नी याद २ कू
 यागि याद २ म्वायू ना जात ॥ कूषीकमो ॥ अमवपू, अथयत्रि ॥ र्वं गयू, खदवायू
 मो कवगायू, प्रमदिक, म्वायू नाकाव, अकनयीय, नी र्वकू दभवक, अ सलय, का
 निरुयू, नी पूग ला नीरुयू, नाक सखक, ना न सदा निद्र, विरथं लु विरुयू, लु अ सख
 कायू, प्रदं गग लु विरुयू, का स मा वादयू, लु रग, र्वं वन वं म्वायू र्वं द निव, सान
 नारुदयीव, मा ना धिक, मा लावर्धि नरुल, कूनेकल, अनाग वायययू ॥ धनं गुराव ॥

पादु ॥ धनययु ॥

॥ नरक ॥

॥ ० ॥ आलालनालाधविइइवनकसि यालू यायू ॥ निने ॥ यृष्टनासोतां युनिगयावि
गउघस ॥ विक्रवति ॥ ० ॥ सप्र ॥ दवदक निदोनयायू अनिज्ञातादिग २३
नयायवयायन नानाधाडाललेखयाथरथप्र ॥ ० ॥ धरुपीनराग घातस्याककु
वउष्मका आधिकाग स्वाग ककु मादस्याक धनराग ॥ अकारमृक ॥ वय २ घातस्या
क अतिसाव ॥ द ८ नानायाधियीनेकाव ॥ द १४ हननयुनिव ॥ द १८ सप्रमसरयद्याले
रुयू ॥ द ३० रुयउस्याकजाल ॥ द ४० वयासख्या सख्या ताजायारुय ॥ द ८० प्रारिवा ॥
धनरुगसावय ८ म्वायू ॥ अकारमृक साकि ॥ स्वस्तिनवल्यावर्जं कुन धननकुगतक

२२

मनमायव ॥ सिमाययमाव वृणवायिदाव यनदानयाय गंहालकमेविकावयय ॥
दवकाकथप्रयाय अगन अकारमृक नाग ॥ ० ॥ निधनयुनकगमाक ॥ ० ॥
॥ ॥ गगरि यानकगजाग ॥ प्रकगाल र्यचदग मृक वलूनदवगा विषुयभि
दवगा दउसनिदवाउ धसावाहननाकग जाग ॥ उलगगुव ॥ उउदावग निधुल
कग ॥ कुरुनागि ॥ अय सुगाजाग लकव ॥ अयवाककुव ॥ रुनिदयू समरुनाकउ
गाव रुग दवयुजा सतयशयू विद्यासयू यासादयू रुहनवके साववानरिद
वा गाहायूवाहावनकद स्वालरिद मिवाचयठश सनरिद गाजस्यवक वनऊ

नमो भगवते वासुदेवाय

नमो रुद्रयू. त्यागी रुद्रयू. धर्मयायू. अनिरुद्रयू. लोकाय मू. कायू. कायमावादयू. थ
ननायक रुद्रयू. सुयवंगन दयू. दिनारुद्रयू. ननिग्रीयरुद्रयू. काध सहाव दयू. मवध
यम रुद्रव. अमान मरुताव. उ. थांगी रुद्रयू. थव सुवत रुद्रयू. व. अनग मायावृद्धि दयू. ॥
रुमा ॥ दमहाव ध. व. व. व. स. कुरु व स दृष्टि रुद्रयू. थन नार रुद्रव. म विग वय ॥ धनं
राव ॥ ० ॥ आ. लाल. ना. दा. यात्र. वि. यादू. ध. ययू. ॥ ० ॥ गिल विद्रु ॥ वा. ल. न. व. ल. स
या. व. उ. द. ल. रु. रु. उ. ध. मू. य. ग. ल. स. ध. ग. तिल रु. व. नि ॥ ० ॥ स. य. ॥ न. दि. दा. घ. स. य. द. ल.
रु. न. ॥ द. व. ना. य. ध. व. जा. ना. य. स. नि. सा. म. ग. व. म. न. राजा. आ. ल. का. न. ध. नि. स. य. ॥ ० ॥

30

ध. रु. वा. न. ना. ग. अ. जि. न. ॥ अ. नि. सा. व. का. म. न. क. रु. जाल. मि. वा. ग. थ. क. ध. न. ना. ग. ॥ अ. का.
ल. मू. य. ॥ व. य. ॥ य. न. ना. ग. मि. वा. ग. थ. क. ॥ दं. ग. मि. वा. ग. थ. क. दं. ८. अ. नि. सा. ल. मू. य. ना. ग. दं. १८.
अ. नि. सा. न. ॥ दं. १२. वे. ग. य. जाल. सा. न. ना. य. ॥ दं. २०. क. नि. नि. व. स. या. रु. य. ॥ दं. २२. स. रु. रु. य. रु.
य. गू. ल. क. नि. ना. ग. दं. ३०. अ. रि. ना. ल. ॥ दं. २०. वू. या. रु. य. ग. नि. या. ग. गू. ल. ना. ग. ॥ ० ॥ ध.
न. अ. का. न. रु. रु. सा. नि. ॥ दा. म. या. व. क. म. ग. यु. जा. या. य. ॥ ना. य. द. ल. स. ध. म. ध. अ. रु. व. जा.
या. य. ॥ स. लू. य. न. सा. नि. स. रु. रु. क. न. व. ल. या. च. न. यु. जा. यु. रु. ला. य. ॥ दि. दा. य. दं. १३. जा.
ल. न. व. उ. ग. थ. य. ॥ ध. न. न. व. व. ८८. रु. रु. य. द. रु. रु. ॥ रु. लू. नि. न. रु. रु. ॥ ग. नि. य. ले. ना. न. ध.

॥ अथ भाग ॥

नं कृणास मृक्खरवति ॥ गन रिवा न कं उ समा क ॥ ० ॥ ० ॥ पूर्व रदन
कं उ जाय ॥ द्विमान गिं ग नि मू रू उ ॥ अरि दु देव ना ॥ अग्नि देव ना ॥ अग्नि अग्नि
देव ना ॥ स कृष्ण य नि दं उ ॥ कय नि रा रान म नू क जा न ॥ न व व स ल ॥ ग नि धन कं उ
पाद ३ उ र व नि या द ॥ कूरं रा नी या द ३ मी न रा नी या द ॥ अथ सू ना जा न ॥ १७ ग व पुं ॥ ३
ल कृ वे र्ध धर्म वं न शयू ॥ अ का यू मि र्वा सु म रु उ ना स न शयू ॥ पू न कं य व क्ता नि शयू
वि द ग न गु मि शयू वा न क न डा रि ड शयू रि थं गु मि शयू ध न ध रि व क स रा ग
म इ ॥ अ व न ग र य शयू ॥ वि शा न यू क लू ना ध रि व ध न म था क र व क्ता य ग क्ता न क्ता य ॥

निष्कण्ठाय नमः ॥ गिलि श्वराव, सिद्धि भूति गणेशाय नमः ॥ लक्ष्मी नित्याय नमः
 धिदयू ॥ इत्युक्तं यून, कासयून, इति ॥ १० ॥ मन्त्रं न ल्याख मया क ॥ मन्त्रं आसा न यून, अ
 हं कालि शयून, कविल्या शयून, अहिंदक, मन्त्रा मन्त्र ४ दयू, कायभावा दयू, धनं स्व
 राव ॥ ० ॥ श्रीराल ॥ ना, दा, पातू, कलि, पादू, स्वायू, धनं ययू ॥ ० ॥ गित कथान
 नूवउ, खलस, कर्णू, वा हास, कुं, गज नस, ना हा नस, प्रनं विंद्गु रवति ॥ ० ॥
 श्रुत ॥ इति सोदि ग रमन, वायूव, वर्वायू, ना नाडय, ना ना साकु, नदिउदक, वहुष्या
 द, गजन, प्रनं श्रुत ॥ ० ॥ ॥ धाउवा न पी न, गग, घाग, ग्याक, जात, आमुनक, यि न

ककु अजि साव प्रीरु अजि पुना ग धना ॥ ० ॥ अकान मृक ॥ दं ४ घात ग्धाक ककुद
 यू दं न मिवा ग्धाक दं २ मिवा ग्धाक जान दाघा ॥ दं १० अजि साव घात ग्धाक दं २०
 जान ग निवात ॥ दं ३ सुं ग्राम सघात रुयू ॥ दं ४० विनाय दं २० कविनाय धन प्रका
 न दं १० म्वायू ॥ अथवावर्ष १०० राद्रप द ह म्वा र लु नीन कड र ग निधुन वावदि नः मृक
 रुव गिः अकान मृक साकि काम विधान थः चैय रुकिता ग पूजा रुव वि वि यकः ध
 नन सा निज्ञा ना ॥ पूर्व रुद्र न क उ समा यन ॥ ० ॥ ० ॥ उ उ रुद्र न क उ जान ॥
 दि गान र्प च ला लिग मा हा ॥ धन जय नि र्मा ॥ अरि वृध गन य नि द व गा ज क दि द व
 व

गा ॥ को य निवा हा न मा न रु जान ॥ स ल र्मा ॥ उ उ दान रु रु स्य नि रु ॥ मी न वा नि ॥ रु नि
 क र्म अर्थ गु गा जानः प्री न व पु अर्थ वा ल क व पु रु वि क र्म ध र्म व नः ग कि न मि वा
 सम रु ॥ न आ प्र यः द व पूजा या य ग अ गिल यः ला गी रु यः ग्धा नि रु यः मृ क न स न स न
 या वि धा व रुः म वि ग न यः कि ना न रु य व रु रु ग अ न ग मि रु द यः रु ल रु ला य व ॥
 ध न रु रु वः क र्म दा वि रु यः वा न क स दा लि दः लि र्मा रु वि रु यः ध न ध वि वः मि वा
 व य उ रु य रु रु स्य नि मा न रु रु कि न क पु वा या वा वा रु ना न म वि क अ न ग रु रु य
 रु स यः मा या वृ दि द यः प द ग न रु वि रु यः ला पु य न द यः मृ व या रु व न व पी व रु

नमो नानिव ॥ धनवन्कश्य ॥ वातकसञ्ज्ञानिद विधि ॥ अविश्यवः ॥ आसय ॥ शनधोययव ॥ वृय
 ययुः नवद्विश्य ॥ अनंगमृदय ॥ किनानश्य ॥ मूलविलश्य ॥ धाकनिकानश्य ॥ कमाया
 यरुय ॥ चगमरिनिवश्य ॥ राजास्वप्नदय ॥ कायमावाद्यवः ॥ चत्ररुतिनिदय ॥ जाशमाशनक
 उम्बद्वि समसुथय ॥ संयुक्त ॥ कायकर्मयादलगी ॥ धनग्नराव ॥ अहान ॥ नदलश्य ॥ जथ
 विधि सर्वरु ॥ ० ॥ गिनथान ॥ वाहनशस ॥ नवनसः ॥ योगस ॥ दृष्टसजान ॥ युद्धरु ॥
 मूययुव ॥ धि ॥ धनि ॥ ० ॥ धप्र ॥ कनकीदाशु ॥ गायानवाढः ॥ दवयुजाधक ॥ नोजासयास
 य ॥ नानादयः ॥ गिमा ॥ साहान ॥ धनिधप्र ॥ ० ॥ धाहुवागपीगनाग ॥ अजिर्ण ॥ अनिसान ॥ आस ॥

नमो नानिव ॥

39

धाग ॥ धाक ॥ ककु ॥ कास ॥ सास ॥ धननाग ॥ अकानसृक् ॥ वर्षरखिलमनिव ॥ धाग ॥ धा
 क ॥ दं ॥ १२ ॥ जालमिखासाक ॥ वर्ष ॥ नानानाग ॥ धाधि ॥ कसंय ॥ धाक ॥ अजिर्ण ॥ गवा ॥ धा
 क ॥ जालकाम ॥ मिधा ॥ धाक ॥ गम ॥ सया ॥ रुय ॥ दं ॥ २१ ॥ र्वनचूय ॥ मसनवायु ॥ गिमान ॥ साहा
 ननक ॥ निनिव ॥ दं ॥ ३० ॥ संग्रामरुय ॥ दं ॥ ४० ॥ दं ॥ ४१ ॥ यनाश्रुतिवावरुय ॥ नूयठ ॥ धाक ॥ धन ॥
 अकालसृक् ॥ सानि ॥ यंवायवा ॥ वि ॥ दृष्टदयक ॥ यंवा ॥ मृष्टन ॥ धर्म ॥ धाहु ॥ पूजा ॥ याय ॥ जथ
 कर्म ॥ सानि ॥ खरि ॥ कन ॥ व ॥ ल्या ॥ च्वन ॥ धन ॥ न ॥ प्रमा ॥ युव ॥ वर्ष ॥ ११ ॥ वर्ष ॥ २१ ॥ रा ॥ दय ॥ दमा ॥ स ॥ पू ॥ मि
 नं ॥ वनिनक ॥ ग ॥ नि ॥ धवाल ॥ धनिग ॥ क ॥ ग ॥ मृ ॥ रुव ॥ नि ॥ नं ॥ व ॥ नि ॥ न ॥ क ॥ ग ॥ समा ॥ क ॥ ॥ ॥

स्वस्ति ॥ सँ २०३ मा र्ज नि ल द्रु ॥ स फ मि ॥ पूर्व रु र्जु पी प्र उ र्ज रु र्जु पी न क र्ज ॥ आ ००
 यमान प्र सो रा र्ज या य ॥ दृ रु स्य नि वा ल ॥ ध कू र्ज वा य धू न का रु ना ॥ दे व र्जु वि कि नि नः
 मृ वि र्ज ॥ ऊ था दृ दृ र्ज थ लि वि र्ज ॥ मृ वि क ना सि दा व य र्ज ॥ ऊ दि रु र्ज म रु द्वा सा ध
 नी नो यं डि र्ज ॥ ॥ ग्री सा क स र्ज ॥ १० ३४ न रु स्या मा स्य ॥ दि न दृ र्ज नि र्थो वि लि र्जि ३२
 मृ क ॥ वा ऊ यूरु दि न ॥ दे व र्जु वि कि नि स न रु र्ज व य र्ज ॥ ॥ सर्व दा म र्ज ल ॥ उरु ॥

